BUSINESS STANDARD
28/10/14 Pg-01

पेराई में देरी से घटेगा चीनी का उत्पादन

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 27 अक्टूबर

उत्तर प्रदेश में गन्ने की पेराई में देरी होने से चीनी उत्पादन में करीब 15 फीसदी की कमी आ सकती है। दरअसल देरी से गन्ने की पेराई होने से चीनी की रिकवरी और घट सकती है। 2013-14 पेराई सत्र में उत्तर प्रदेश में 65 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। लेकिन लागत से कम दाम (एक्स-फैक्टरी कीमत) होने के कारण मिलों की आर्थिक सेहत पर खासा असर पड़ा है। यही वजह है कि राज्य की चीनी मिलों ने 2014-15 पेराई सत्र में कारोबारी हितों की रक्षा किए बिना गन्ने की पेराई से इनकार किया था।

यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन के सचिव दीपक गुप्तारा ने कहा, 'हालिया चक्रवात के कारण गन्ने की फसल को कितना नुकसान पहुंचा है, इसका आकलन अभी किया जा रहा है लेकिन इतना तय है कि फसलों के नुकसान और पेराई में देरी से राज्य में चीनी के उत्पादन पर असर पड़ेगा।'

राज्य की एक बड़ी चीनी मिल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अनुमान लगाया है कि इस साल उत्पादन कम से कम 15 फीसदी तक कम हो सकता है। इसका मतलब यह है कि इस साल भारत में चीनी का उत्पादन 2.35 करोड़ टन रह सकता है, जो देश की कुल खपत का लगभग बराबर है। इस बीच, मिलें अपने संयंत्रों में रखरखाव का काम शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि अगले 4 से 6 हफ्तों में मिलों में रखरखाव का काम पूरा हो जाएगा और फिर कार्यशील पूंजी आदि में दो हफ्तों का वक्त लग सकता है। ऐसे में पेराई दिसंबर के मध्य से पहले शुरू होने की उम्मीद नहीं है।

सिंभावली शुगर मिल्स के मुख्य वित्त अधिकारी संजय तापड़िया ने कहा, 'पेराई दिसंबर के मध्य तक शुरू हो सकती है।

घटेगी मिठास

- इस साल 15 फीसदी कम हो सकता है चीनी का उत्पादन
- दिसंबर के मध्य से पहले मिलों में पेराई शुरू होने की उम्मीद नहीं
- मजबूरी में किसान कोल्हू और खांडसारी उत्पादकों के पास बेच रहे गन्ना